वार्षिक रिपोर्ट 2012–2013

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था एक गैर लाभकारी संस्था है, संस्था 13वर्ष से सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। जव हम जिला और प्रदेष के पैमाने पर अपनी स्थिति का आकलन करते है तो हमारे ये काम अत्यन्त उपयोगी व प्रांसगिक नजर आते है। इससे यह प्रष्न उठता है कि जव हम और अधिक ठोस तरीके से इसे समझते हैं और इसकी व्याख्या करते हैं तथा इसकी उपलब्धियों पर आनंदित होते हैं, एसी स्थिति में हम सुजाग्रति के लक्ष्य और दृष्टि के संदर्भ में किस प्रकार इसके प्रभावों को माप सकते हैं। कहा जाय तो रोज बदलती इस बंधनमुक्त दुनिया के परिपेक्ष्य में हमारे ये काम जरूर अंतर पैदा करते है। :–

1. **गुग्गल पौधे का संरक्षण एवं संवर्धन** :– डाबर कंपनी दिल्ली के सहयोग से गूगल के पौधों का पौधारोपण किया गया तथा उनके रखरखाव तथा दीमक से बचाने के उपाय किये गये साथ ही साथ डॉ मोनी थॉमस एवं डॉ अतुल श्रीवास्तव वरिस्ठ बैज्ञानिक जे एन के व्ही व्ही जबलपुर एवं सुजाग्रति समाज सेवी संस्था के तत्वाधान में सस्टेनेवल हार्वेस्टिंग , रोग मुक्ति व प्लान्टेषन गूगल को लेकर एक वर्षीय रिसर्च प्राजेक्ट एरिया बाबा देवपुरी पर की जा रही है जिससे लुप्त होती जा रही प्रजाति गूगल वचेगी तथा संबर्धन होगा जिसका प्रसारण म0प्र0 फोरेस्टरी में तीन बार हुआ है।

गुग्गल का रोपण करते समुदाय एवं संस्था

डॉ अतुल श्रीवास्तव गुग्गल सस्टेनेवल हार्वेस्टिंग पर रिसर्च करते हुये।

2. **पर्यावरण मित्र कार्यक्रम** – C E E भोपाल , पूना के सहयोग से 125 स्कूलों में पर्यावरण मित्र कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसका उददेष्य धधकती धरती एवं बदलते मौसम के मिजाज को रोकने का प्रयास , स्कूली बच्चों तथा षिक्षकों को इसके प्रति संबेदनषील बनाना है। इसके तहत संस्था द्वारा स्कूल में 1. पौधे लगायें और उसकी देखभाल करें। 2. उर्जा की बचत करें 3. पानी की बचत करें 4. कचरे को छॉटें और फिर से काम में लें तथा उसकी मात्रा कम करें। 5. जैवविविधता ये गतिविधियॉ साल भर चलाई गई इस हेतु षिक्षकों का उन्मुखीकरण किया गया तथा उन्हें साहित्य तथा पोस्टर, फोल्डर उपलब्ध कराये गये। ,विष्व पर्यावरण दिवस पर स्कूल के बच्चों की रैली निकाली गई।

3. **जैवविविधता पर कार्य** – सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा सी ई ई के सहयोग से 50 स्कूलों में जैवविविधता संरक्षण हेतु विषय पर ऑरियेन्टेषन एवं सपत कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

जैवविविधता संरक्षण एवं संबंर्धन पर सपत लेते हुये स्कूली बच्चे एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम ।

4. **डाबर इंडिया कंपनी के साथ लिंक** – कंपनी द्वारा 500 गूगल के पौधे संस्था को प्रदान किये गये उनका बृक्षारोपण तथा रखरखाव कार्य किया साथ ही संस्था द्वारा बनाये गये SHGs जैवविविधता प्रबंधन समिति अन्य हितग्राही किसानों को लघुवन उपज की उचित मारकेटिंग हेतु लिंक स्थापित की जिससे उन्हें लघुवनउपज का उचित मूल्य प्राप्त होने लगा एवं डाबर कंपनी को भी ष्षुद्ध एवं कच्चा माल मिलने लगा तथा क्षेत्र के गरीबों की आय बृद्धि हुई व जैवविविधता का संरक्षण हुआ।

डॉ0 किमोटी डाबर कंपनी दिल्ली गुग्गल एवं अन्य लघुवन उपज हेतु विजिट एवं 500 गूगल पौधे दिये।

जन सहभागिता से ही गूगल व अन्य लघुवन उपजों का संरक्षण एवं संबर्धन

जैवविविधता की अवधारणा गूगल व अन्य लघुवन उपजों का महत्व, उपयोग एवं विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया पर दो दिवसीय कार्यषाला दिनांक 15–16–1–2013 तथा 20–21.2.2013 स्थान बाबा देवपुरी पर सुजाग्रति समाज सेवी संस्था एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति के सहयोग से जिला बनोपज संघ इकाई मुरैना एवं जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित की गई जिसमें मुरैना डी एफ ओ श्री विनसेन्ट रहीम जी द्वारा लोगों को बताया कि जन सहभागिता से ही गूगल व अन्य लघुवन उपजों का संरक्षण एवं संबर्धन संभव है उन्होंने कहा कि कोई भी परियोजना जब तक सफल नही होती तब तक उसे जनता नही स्वीकारे इसलिये लोग अपनी आजीविका का इन्हें साधन बनाये तथा इनका संरक्षण एवं संबर्धन करें। क्योंकि यह वर्तमान एवं आने बाली पीढी के लिये आवष्यक है तथा यह भी कहा कि आप लोग देव दूत की तरह इस संदेष को जन जन तक पहुचायें। जबलपुर से पधारे । डॉ मोनी थॉमस बरिस्ठ बैज्ञानिक जे एन के व्ही व्ही जबलपुर द्वारा गूगल एवं लघुवन उपजों की विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया को समझाया गया तथ उनके द्वारा निर्मित जबाहर गूगल यंत्र का प्रयोग करना भी सिखाया दूसरे दिन डॉ थॉमस द्वारा हितग्राही किसानों को गूगल में चीरा लगाना फील्ड में जाकर सिखाया। डॉ अतुल श्रीवास्तव बरिस्ठ बैज्ञानिक जे एन के व्ही व्ही जबलपुर द्वारा गूगल के प्रायः लुप्त होने का करण बताते हुये कहा कि गूगल का पेड गलत तरीके से चीरा लगाने के कारण व दीमक की बजह से लुप्त होता चला जा रहा है उनके द्वारा सतावर को बचाने के लिये हितग्राही किसानों को सलाह दी गई सतावर निकालते समय एक जड छोड देनी चाहिये जिससे सतावर की बेल हमेषा सतावर देती रहेगी, सतावर का उपयोग बताते हुये कहा कि यह मॉ के दूध को बडाने में इससे अच्छा और कोई उपाय नहीं है।

लघुवन उपज कार्यषाला में उदवेधन देते हुये डी एफ ओ मुरैना।

गुग्गल एवं सतावर पर विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया पर उदबोधन देते हुये

सर्वश्रेष्ठ उद्यान प्रतियोगिता 2012 दिनांक 11.9.2012

पुरूष्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री जैवविविधता एवं जैव प्रोद्योगिकी विभाग कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आर के स्वाई प्रमुख सचिव म.प्र.शासन, जैवविविधता एवं जैव प्रोद्योगिकी विभाग। विषेष अतिथि श्री षषांक उपमहानिदेषक, दूरदर्षन एवं श्री व्ही.एन. पाण्डेय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैवविविधता प्रोद्योगिकी परिषद एवं जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव श्री षाहबाज अहमद।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना को बाबा देवपुरी रामदेव उद्यान जो कि सी ई ई दिल्ली एवं जैवविविधता बोर्ड के सहयोग से निर्मिन उद्यान को सर्वश्रेष्ठ जैवविविधता उद्यान के रूप में चयनित तथा अवार्ड के रूप में एक षील्ड, प्रमाण पत्र एवं चैक संस्था अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन एवं उपाध्यक्ष श्री विनोद मिश्र को प्रदान किया गया।

प्रषासनिक अकाडमी में प्रमुख सचिव से एवार्ड लेते हुये संस्था अध्यक्ष एवं उपपध्यक्ष।

टेलीफिल्म निर्माण , बरगद का न्याय पुस्तक एवं दस्तावेजीकारण कार्य –

संस्था द्वारा गूगल प्लान्टेषन एवं बडते हुये बीहड के कारण भूमिहीन तथा बेघर होने से बचाने के लिये 2500 मी0 लम्बी डौरबन्दी तथा पंचायतों में बी एम सी गठित कर उन्हें क्रियाषील किया तथा उनके द्वारा जैवविविधता का संरक्षण एवं संबर्धन कार्य किया साथ ही साथ बरगद का न्याय पुस्तक जो कि पर्यावरण व जैवविविधता पर आधारित है का लेखन कर आदरणीय मंत्री जी नरोत्तम मिश्रा जी के हाथों से विमोचन कराया गया जिसका 125 स्कूलों में वितरण पुस्तकालयों में भी वितरण कीं साथ ही संस्था द्वारा जैवविविधता एवं सी ई ई के स्माल ग्रान्ट प्रोग्राम में किये गये कार्य का क्रमबद्ध एवं सुसंगठित दस्तावेजीकरण भी कराया गया।

बरगद का न्याय पुस्तक का विमोचन करते हुये माननीय मंत्री नरोत्तम मिश्र जी।

सी सी एफ एवं एस डी ओ अनुषंधान गूगल गोंद देखते हुये आगामी प्लानिंग करते हुये।

मुरैना एवं ष्योपुर जिले की जैवविविधता प्रबन्धन समितियों को किया क्रियाषील

मुरैना जिले की 5 पंचायत पिपरई , भानपुर , मकसूदपुर, हेतमपुर, एवं देवरी की जैवविविधता प्रबंधन समितियों को क्रियाषील करने के लिये चार चार उन्मुखीकरण कार्य्रक्रम किये साथ ही उनके बैंक अकाउन्ट भी खुलवाये । इसी तरह ष्य्योपुर जिले की विजयपुर तहसील की चैंटीखेडा , गोपालपुरा ,माना का पुरा, सेवा का पुरा, विजयपुर , तेलीपुरा में भी उपरोक्तानुसार उन्मुखीकरण कार्यक्रम किये गये नवीन बी एम सी गठित की। ये समितियॉ जैवविविधता संरक्षण एवं संबर्धन कार्य में जुट गईं।

ग्राम भानपुर में उन्मुखीकरण करते हुये जाकिर हुसैन। विजयपुर में उन्मुखीकरण करते हुये जाकिर हुसैन।

संस्था के गूगल प्लान्टेषन कार्य को देखने हेतु आये विजिटर निम्नानुसार है –

1. डॉ0 राजीव एवं डॉ0 किमाटी डाबर कंपनी दिल्ली।
2. सी सी एफ षर्मा जी एवं एस डी ओ अनुषंधान ग्वालियर।
3. डॉ0 मोनी थॉमस और डॉ0 अतुल श्रीवास्तव वरिष्ठ बैज्ञानिक जे एन के व्ही व्ही जबलपुर।
4. डी एफ ओ मुरैना श्री विनसेन्ट रहीम एवं एस डीओ मुरैना।
5. 8 जिलों के रेंजर गूगल संरक्षण एवं संबर्धन कार्य देखने के लिये।
6. डॉ0 नेहा मिश्रा बैज्ञानिक एस एफ आर आई जबलपुर।
7. श्री क्रान्ति चतुर्वेदी प्रदेष एडिटर नव भारत प्रेस भोपाल

अध्यक्ष

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था

मुरैना म0प्र0